ये अव्यक्त इशारे

अब लगन की अग्नि को प्रज्वलित कर योग को ज्वाला रूप बनाओ

17-09-2025

अभी ज्वालामुखी बन आसुरी संस्कार, आसुरी स्वभाव सब-कुछ भस्म करो। जैसे देवियों के यादगार में दिखाते हैं कि ज्वाला से असुरों का संघार किया। असुर कोई व्यक्ति नहीं लेकिन आसुरी शक्तियों को खत्म किया। यह अभी आपकी ज्वाला-स्वरूप स्थिति का यादगार है। अब ऐसी योग की ज्वाला प्रज्जवलित करो जिसमें यह कलियुगी संसार जलकर भस्म हो जाये।

Now ignite the fire of love and make your yoga volcanic.

Now, become volcanic and burn everything, your devilish sanskars and devilish nature. In the memorial of the goddesses, they have shown the devils being burnt with a volcanic form. These devils were not any persons, but devilish powers that were destroyed. That is a memorial of the stage of your volcanic form at the present time. Now, ignite such a fire of yoga that all of the iron-aged world is burnt away.